देश रोजाना
बेबाक सच
Deshrojana - 11 Jan 2025 - Page 8

ईएसआईसी में विश्व हिंदी दिवस पर कार्यशाला एवं सह संगोष्ठी आयोजित

- वक्ताओं ने हिंदी को बढ़ावा देने और प्रचार-प्रसार पर रखे अपने विचार
- प्रतिभागियों ने दी कविता, गीत, गजल आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

देव चौहान, देश रोजाना

गुरुग्राम। विश्व हिंदी दिवस-2025 के अवसर पर ईएसआईसी उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम में हिंदी कार्यशाला व सह संगोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुमार पाल शर्मा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली व कार्यालय अध्यक्ष सुनील यादव की अध्यक्षता में सरस्वती वंदना के साथ पंचदीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख ने शॉल, प्लांट पॉट व श्रीफल भेंटकर मुख्य अतिथि स्वागत व आतिथ्य सत्कार किया।रविन्द्र कुमार, सहायक निदेशक ने सुनील यादव, संयुक्त निदेशक को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। विश्व हिंदी दिवस की थीम ₹एकता व सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज₹ के आधार पर आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का वाचन किया गया।

जिसके उपरांत प्रतिभागियों द्वारा कविता, गीत, गजल आदि के साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से कार्यालय की हितलाभ शाखा को अंतर-शाखा कार्यालयी राजभाषा चल शील्ड योजना के अंतर्गत शील्ड एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

विश्व हिंदी दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कुमार पाल शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाना है। जो कि इसके प्रचार-प्रसार से ही संभव हो पाएगा। अतः हम सब को मिलकर हिंदी के लिए सदैव तत्पर एवं कार्यरत रहना है।

उन्होंने कहा कि माँ, मातृभाषा व मातृभूमि के बारे में यदि कोई कुछ कह देता है तो किसी को भी बर्दाश्त नहीं होता है। इसके बाद राजेन्द्र प्रसाद-सहायक निदेशक व रविन्द्र कुमार- सहायक निदेशक ने भी हिंदी की महत्वता पर अपने विचार प्रकट किए। कार्यालय प्रमुख सुनील यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है जो हमारे हृदय के सबसे करीब है।

हमें हिंदी का सम्मान तथा प्रचार-प्रसार करना चाहिए। कार्यक्रम में अंत में डॉ. स्वीटी यादव ने मुख्य अतिथि, कार्यालय प्रमुख एवं उपस्थित अधिकारियों का उनकी सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा यह दिवस न केवल राष्ट्रभाषा के गौरव कि गूंज करता है बल्कि इसके समृद्ध इतिहास को भी सामने लाता है।